अन्तर–विश्वविद्यालय त्वरक केन्द्र
INTER-UNIVERSITY ACCELERATOR CENTRE
(Formerly Nuclear Science Centre)
An Autonomous Centre of University Grant Commission (Ministry of Education)
विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (शिक्षा मंत्रालय) का स्वायत्त केन्द्र

Prof. Avinash Chandra Pandey
Director

दिनांक: 31 जुलाई, 2026

प्रो. देविका पी. मादल्ली
निदेशक
सूचना एवं पुस्तकालय नेटवर्क केंद्र (इनफ्लिबनेट)
इन्फोसिटी, पी.ओ. बॉक्स नं. 4, गांधीनगर – 382007, गुजरात
भारत

विषय: पुस्तकालयाध्यक्ष दिवस अभियान 2026 हेतु प्रेरणादायी संदेश

आदरणीया प्रो. देविका पी. मादल्ली जी,

प्रो. एस. आर. रंगनाथन की 134वीं जयंती पर पुस्तकालयाध्यक्ष दिवस के इस राष्ट्रव्यापी अभियान से जुड़कर मुझे हार्दिक प्रसन्नता हो रही है। "पुस्तकालय: लोगों को जोड़ना, ज्ञान को संरक्षित करना, भविष्य को सशक्त बनाना" —यह विषय आज के समय में पहले से कहीं अधिक सार्थक है।

हम चौथी औद्योगिक क्रांति के उस दौर में खड़े हैं, जहाँ आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, बिग डेटा और डिजिटल तकनीकें ज्ञान के सृजन और प्रसार की गति को अभूतपूर्व रूप से बदल रही हैं। ऐसे समय में पुस्तकालय केवल किताबों के संग्रहालय नहीं, बल्कि विश्वसनीय, सत्यापित और सुव्यवस्थित ज्ञान तक पहुँच सुनिश्चित करने वाली रीढ़ हैं। जितनी तेज़ी से सूचना का विस्तार हो रहा है, उतनी ही ज़रूरी हो जाती है पुस्तकालयों की वह भूमिका, जो शोर में से सार्थक ज्ञान को छानकर समाज और राष्ट्र-निर्माण के काम आए।

इसी दिशा में हमारी प्राचीन पांडुलिपियाँ हमारी सबसे अनमोल धरोहर हैं। आज की पीढ़ी, जो परंपरागत किताबें पढ़ने में उतनी रुचि नहीं रखती, उस तक इन पांडुलिपियों को डिजिटल, दृश्य-श्रव्य और सहज-सुलभ रूपों में पहुँचाना हमारी ज़िम्मेदारी है। जब हम इन्हें आधुनिक तकनीक के माध्यम से नई पीढ़ी की भाषा में प्रस्तुत करते हैं, तभी सदियों पुराना ज्ञान वास्तव में जीवित और प्रासंगिक बना रहता है।

पुस्तकालयों की भूमिका यहीं समाप्त नहीं होती। शोध नैतिकता (रिसर्च एथिक्स) की समझ बनाना, साहित्यिक चोरी (प्लेगरिज़्म) के प्रति जागरूकता फैलाना और सही उद्धरण-पद्धति सिखाना आज हर शिक्षण संस्थान की आवश्यकता है —और यह ज़िम्मेदारी स्वाभाविक रूप से पुस्तकालयों पर आती है। साथ ही, स्थानीय और मातृभाषाओं में ज्ञान की उपलब्धता सुनिश्चित करना भी उतना ही ज़रूरी है, ताकि शिक्षा केवल कुछ भाषाओं तक सीमित न रहकर हर विद्यार्थी तक पहुँचे। हमारी पांडुलिपियाँ

अरूण आसफ अली मार्ग, नई दिल्ली – 110 067 (भारत)
Aruna Asaf Ali Marg, New Delhi - 110 067 (India)
Phone : 011-24126036 (Dir.), 24126022, 24126024, 24126025, 24126026, 24126029
E-mail : directorofficeiuac@gmail.com, acpandey@iuac.res.in, prof.acpandey@gmail.com
Website : www.iuac.res.in

स्वयं गुणवत्तापूर्ण पीयर-रिव्यू जर्नल्स और मौलिक शोध के लिए एक अमूल्य स्रोत हैं, जिन्हें संरक्षित और सुलभ बनाना शोध की गुणवत्ता को समृद्ध करता है।

आज का पुस्तकालय एक ऐसा एकीकृत मंच होना चाहिए जहाँ किताबें, ई-बुक्स, थीसिस, पॉडकास्ट और दृश्य-श्रव्य सामग्री —सीखने के सभी माध्यम —एक ही स्थान पर सहजता से उपलब्ध हों। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के समुचित उपयोग से इन संसाधनों का तीव्र विश्लेषण, वैयक्तिकृत अनुशंसाएँ और स्मार्ट खोज संभव हो सकती है, जिससे विद्यार्थी कम समय में अधिक गहराई से सीख सकें और अपनी क्षमताओं को बेहतर ढंग से निखार सकें।

मुझे विश्वास है कि यह अभियान देश भर के पुस्तकालयों और पुस्तकालय विशेषज्ञों के योगदान को सम्मानित करते हुए ज्ञान, शिक्षा और अनुसंधान की इस यात्रा को और सशक्त बनाएगा।

#LoveLibraries #EmbraceKnowledge

शुभकामनाओं सहित,

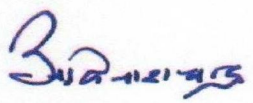

(प्रो. अविनाश चन्द्र पाण्डेय)

निदेशक
अंतर-विश्वविद्यालय त्वरक केंद्र (आई.यू.ए.सी.)
अरुणा आसफ़ अली मार्ग, वसंत कुंज के निकट
नई दिल्ली – 110067